भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 10 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1300 घंटे

विषय: (i) कल दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव, उत्तर-पूर्वी श्रीलंका तट के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक दबाव में कमजोर हो गया है।

(ii) अगले 5-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में और अगले 1-3 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, उत्तर-पूर्वी भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।

(iii) 10 तारीख को पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग हिस्सों में; 10 और 11 तारीख को राजस्थान में; 10 से 14 जनवरी के दौरान बिहार में ठंडे दिन की स्थिति रहने की संभावना है।

(iv) 12 और 13 तारीख को राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है और 11 से 14 तारीख के दौरान राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, ओडिशा में 11 और 12 तारीख को; उत्तराखंड, झारखंड और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 11 जनवरी को शीतलहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 10 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- पंजाब के कई हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही; उत्तर प्रदेश, हरियाणा के कुछ हिस्सों और राजस्थान, जम्मू और बिहार के अलग-अलग इलाकों में; उत्तराखंड, दिल्ली, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और ओडिशा के अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) छाया रहा।
- रिपोर्ट की गई दृश्यता (मीटर में ≤200 मीटर): जम्मू: जम्मू हवाई अड्डा (0), उधमपुर (500); दिल्ली: पालम (50); उत्तराखंड: लक्सर (50), रूड़की (50), खटीमा (75); पंजाब: फरीदकोट(25), बठिंडा(<50), अमृतसर(0), आदमपुर(<50), हलवारा(50), गुरदासपुर(60), पटियाला(100), लुधियाना(50); हरियाणा: नारनौल(10), करनाल(30), भिवानी(20),हिसार(70); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा (आईएएफ), सरसावा (आईएएफ) (00) प्रत्येक, अलीगढ़ (30), मुजफ्फरनगर और हमीरपुर (100) प्रत्येक, मेरठ और आगरा ताज (150) प्रत्येक; पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज (आईएएफ) और कानपुर (आईएएफ)-(00) प्रत्येक, बहराइच (20), गोरखपुर (0), बलिया और फुर्सतगंज (50), बस्ती, कुशीनगर, आज़मगढ़, ग़ाज़ीपुर, प्रयागराज (0), गोरखपुर (आईएएफ) (100); पश्चिमी राजस्थान: जवाई बांध(50), फलौदी(50), चूरू(30), गंगानगर(30), बीकानेर(100), जैसलमेर(40); पूर्वी राजस्थान: कोटा(200), डबोक(200), भीलवाड़ा(100), पिलानी(50), सीकर(50); बिहार: वाल्मिकीनगर (40), गया(50), पटना(100); उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: कूचबिहार (100), बागडोगरा (250), जलपाईगुड़ी (50-199); असम: धुबरी(100); त्रिपुरा: अगरतला (100).
- बिहार के कुछ हिस्सों में ठंडे दिन से लेकर बहुत ठंडे दिन जैसी स्थिति रही और राजस्थान में ठंडे दिन जैसी स्थिति रही।
- हिमाचल प्रदेश, बिहार के कुछ स्थानों पर शीत लहर से लेकर गंभीर शीत लहर जैसी स्थिति रही और पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखंड, ओडिशा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में शीत लहर की स्थिति रही।
- उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में पाला पड़ने की स्थिति दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- कल दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और कमजोर होकर डिप्रेशन में बदल गया और आज, 10 जनवरी को 0530 बजे IST पर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में उत्तर-पूर्वी श्रीलंका तट के पास अक्षांश 8.8°N और देशांतर 81.6°E पर केंद्रित था, जो त्रिंकोमाली (श्रीलंका) से लगभग 50 किमी पूर्व-उत्तर-पूर्व, बट्टिकलोआ (श्रीलंका) से 120 किमी उत्तर, पोट्टुविल (श्रीलंका) से 210 किमी उत्तर, कराईकल (पुडुचेरी) से 310 किमी दक्षिण-पूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 490 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में था। यह पिछले 6 घंटों के दौरान 15 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 10 जनवरी, 2026 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में अक्षांश 9.1°N और देशांतर 81.2°E के पास केंद्रित था, जो मुल्लैतिवु (श्रीलंका) से लगभग 50 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, त्रिंकोमाली (श्रीलंका) से 60 किमी उत्तर-उत्तर-पूर्व, जाफना (श्रीलंका) से 140 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, कराईकल (पुडुचेरी) से 250 किमी दक्षिण-पूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 450 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में था। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और आज, 10 जनवरी, 2026 को दोपहर/शाम तक त्रिंकोमाली और जाफना के बीच मुल्लैतिवु के पास उत्तरी श्रीलंका तट को डिप्रेशन के रूप में पार करने की बहुत संभावना है।
- एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक द्रोणिका है, जिसका अक्ष मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर लगभग देशांतर 71°E के साथ अक्षांश 30°N के उत्तर में है।
- हरियाणा के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक प्रेरित ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण।
- उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम, जिसकी मुख्य हवाएँ 12.6 किमी औसत समुद्र तल से ऊपर 190 समुद्री मील की गति से चल रही हैं, उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर बनी हुई है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्वी असम और उसके आसपास निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर बना हुआ है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने गहरा अवदाब के असर से, ऐसा मौसम रहने की संभावना है:

- 10 जनवरी को तमिलनाडु में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है और 11 जनवरी, 2026 को उसी क्षेत्र में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।
- 10 से 12 जनवरी के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-चमक के साथ बारिश होने की बहुत संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 0°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर; उत्तराखंड में अलग-अलग जगहों पर; पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में कुछ जगहों पर 0-5°C; उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर; ओडिशा और बिहार में कई जगहों पर 5°-10°C; सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर; झारखंड, असम और मेघालय, मणिपुर में अलग-अलग जगहों पर।
- न्यूनतम तापमान में सामान्य से काफी कम (-5.0 °C या उससे कम) ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान, मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C); तेलंगाना में कुछ जगहों पर; उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे में अलग-अलग जगहों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C); लक्षद्वीप में कुछ जगहों पर। (परिशिष्ट IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 1.3°C अमृतसर (पंजाब) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।
- अगले 4 दिनों के दौरान विदर्भ और छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान में लगभग 2°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है और उसके बाद अगले 3 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 2 दिनों के दौरान पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में लगभग 2°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है और उसके बाद अगले 5 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है और उसके बाद अगले 4 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 2 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 3 दिनों में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और उसके बाद अगले 2 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 2 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 2 दिनों में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी, और उसके बाद अगले 3 दिनों में 2-3°C की धीरे-धीरे गिरावट होगी।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- 12 तारीख तक पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 17 जनवरी 2026 तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- 11 जनवरी तक राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 13 जनवरी 2026 तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- जम्मू डिवीजन के कुछ/अलग-अलग इलाकों में 12 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 15 तारीख तक; उत्तर प्रदेश और बिहार में 17 तारीख तक; दिल्ली और उत्तरी मध्य प्रदेश में 11 तारीख तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 तारीख तक; असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 तारीख और 14 और 15 जनवरी को सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 10 तारीख को पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में; 10 और 11 तारीख को राजस्थान में; 10 से 14 जनवरी के दौरान बिहार में कोल्ड डे की स्थिति रहने की संभावना है।
- 12 और 13 तारीख को राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है और 11 से 14 तारीख के दौरान राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, ओडिशा के कुछ इलाकों में 11 और 12 तारीख को; उत्तराखंड, झारखंड और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 11 जनवरी को शीतलहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

हवा की चेतावनी:

- दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और श्रीलंका के तट के पास और उससे दूर, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के कोमोरिन क्षेत्र:
- इस क्षेत्र में अभी 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज़ हवाएं चल रही हैं। यह धीरे-धीरे कम होकर 10 तारीख की दोपहर तक 40-50 किमी प्रति घंटे और 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हो जाएगी और 10 तारीख की आधी रात तक 25-35 किमी प्रति घंटे और 45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हो जाएगी।

- तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के पास और उससे दूर
- 10 तारीख की दोपहर तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज़ हवाएं चलने की बहुत संभावना है। इसके बाद यह धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

- 10 जनवरी को उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों के पास और उससे दूर 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज़ हवाएं चलने की बहुत संभावना है और इसके बाद यह कम हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

- 10 जनवरी को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका के तट के पास और उससे दूर समुद्र की स्थिति खराब रहने की बहुत संभावना है और इसके बाद धीरे-धीरे सुधार होगा।
- 10 जनवरी को तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के पास और उससे दूर समुद्र की स्थिति खराब रहने की बहुत संभावना है और इसके बाद धीरे-धीरे सुधार होगा।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 10 जनवरी को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका और तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के पास और उससे दूर समुद्र में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 10-13 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	10- Jan	11- Jan	12- Jan	13- Jan	14- Jan	15- Jan	16- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक II

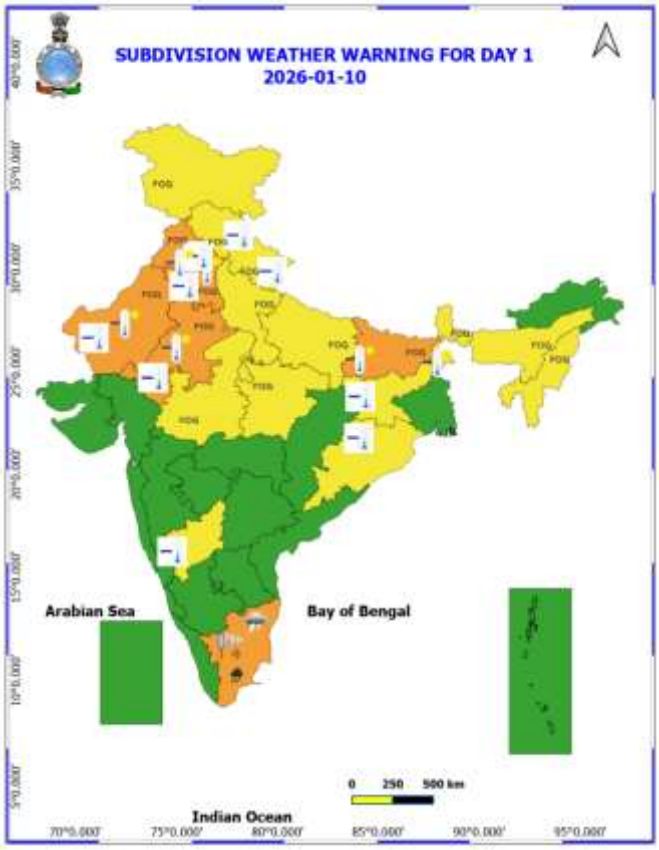
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-10
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

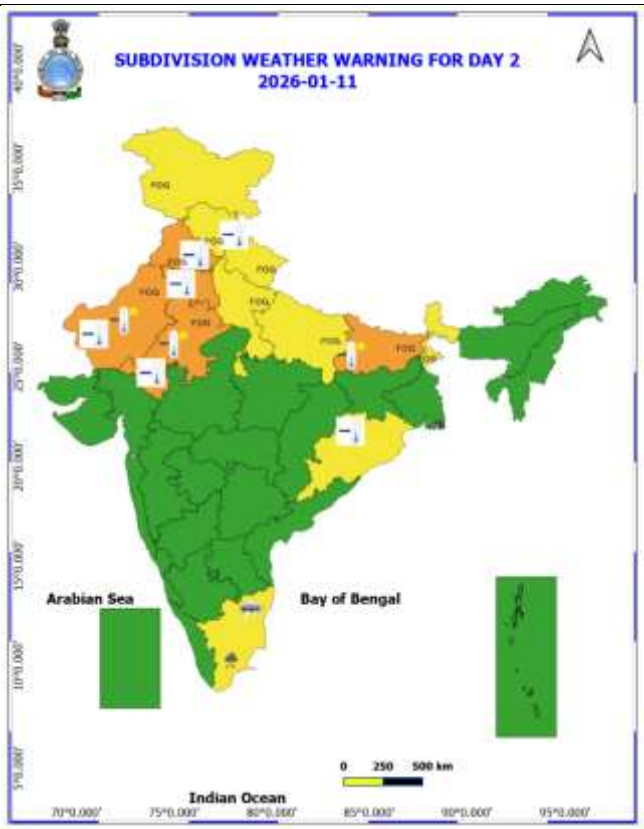
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-11
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

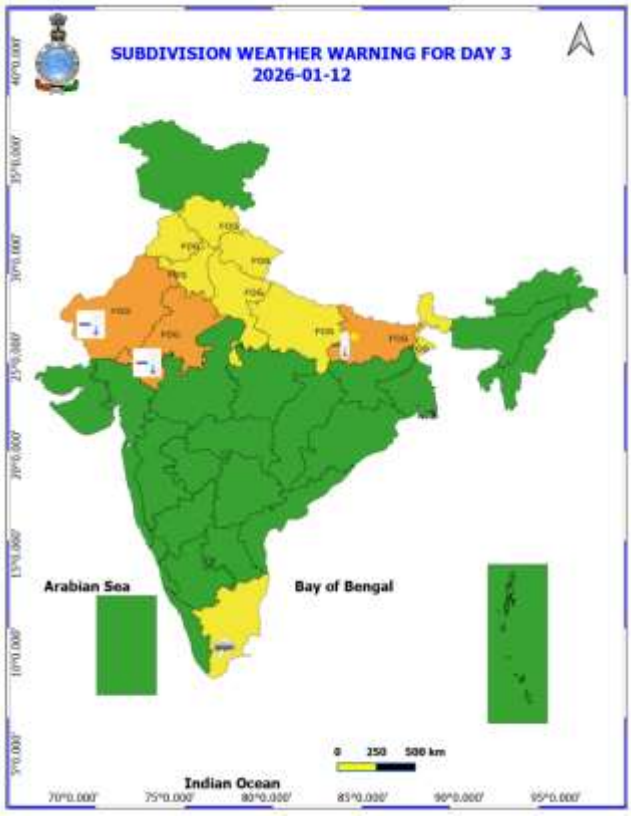
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-12
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

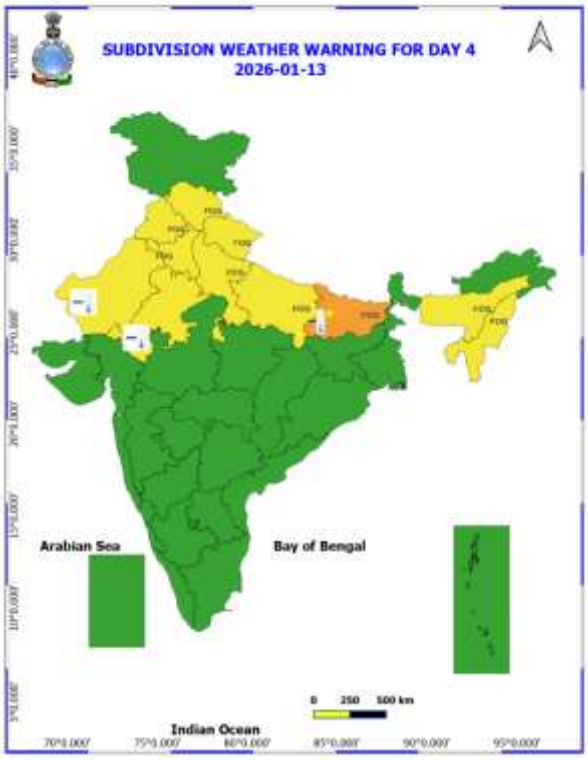

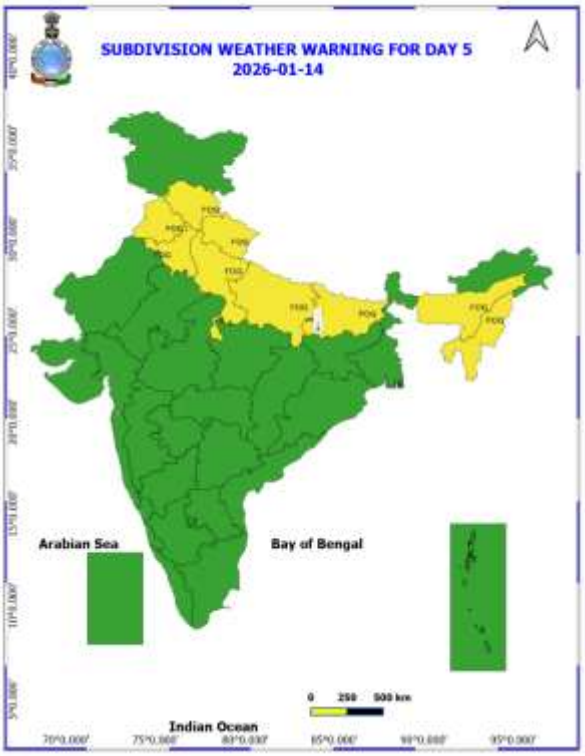

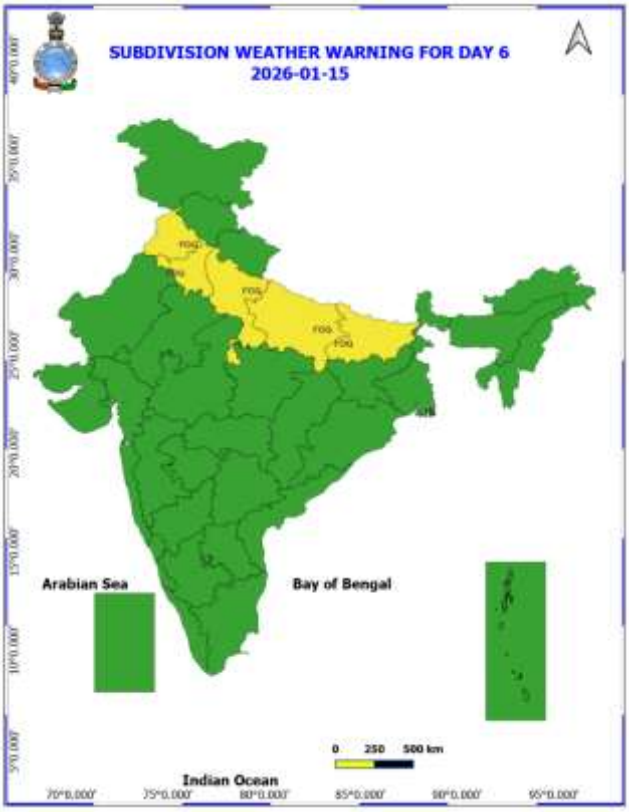

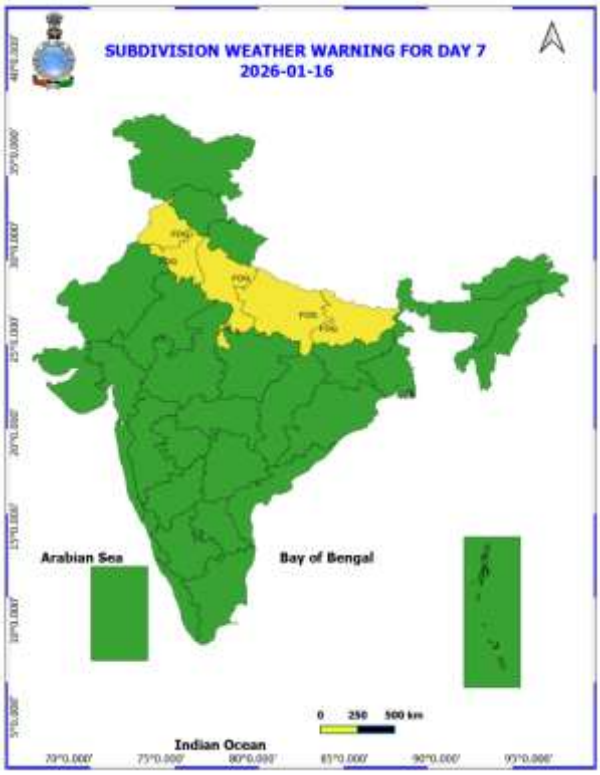

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

10 से 13 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में 1-3°C की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 17°C से 20°C और न्यूनतम तापमान क्रमशः 04°C से 05°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5 से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से ज़्यादा (1.6 से 3.0), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफदरजंग में 0730 IST पर सबसे कम विज़िबिलिटी 200m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 10.01.2026 को 0800 IST से 300m हो गई। पालम में 0800 IST पर सबसे कम विज़िबिलिटी 050 m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 10.01.2026 को 0830 IST से 100 m हो गई। दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। आज सुबह दिल्ली के पश्चिमी हिस्से में मुख्य रूप से साफ आसमान और मध्यम से घना कोहरा छाया रहा और इस क्षेत्र में पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली।

मौसम का पूर्वानुमान:

10.01.2026: मुख्य रूप से साफ आसमान। कुछ जगहों पर शीतलहर की स्थिति। रात में धुंध/हल्का कोहरा। अधिकतम तापमान 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-01 से -02°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी, पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

11.01.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। कुछ जगहों पर शीतलहर की स्थिति रहेगी। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 18°C और 3°C से 5°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 12 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

12.01.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 3°C से 5°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 06 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

13.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 4°C से 06°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 05 किमी प्रति घंटे तक रहेगी। दोपहर में हवा की स्पीड बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी, और शाम और रात में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph से कम हो जाएगी।

अनुलग्नक IV

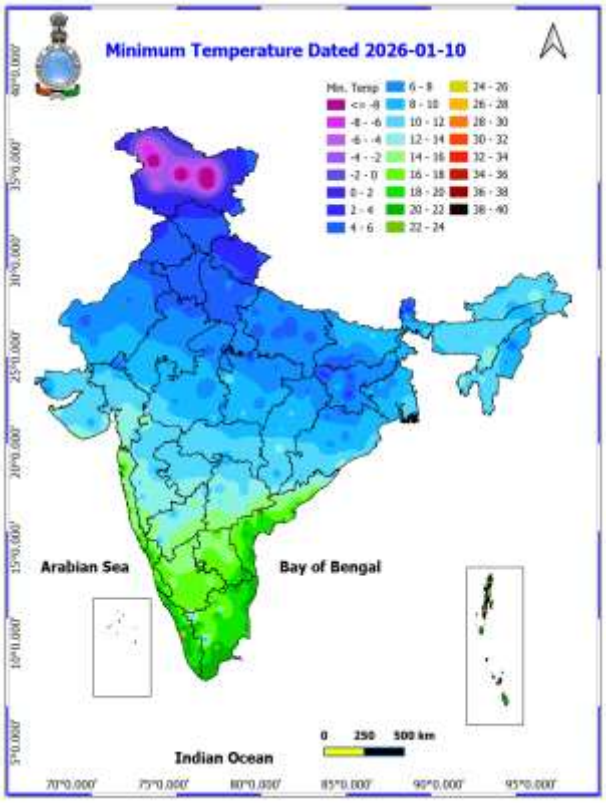

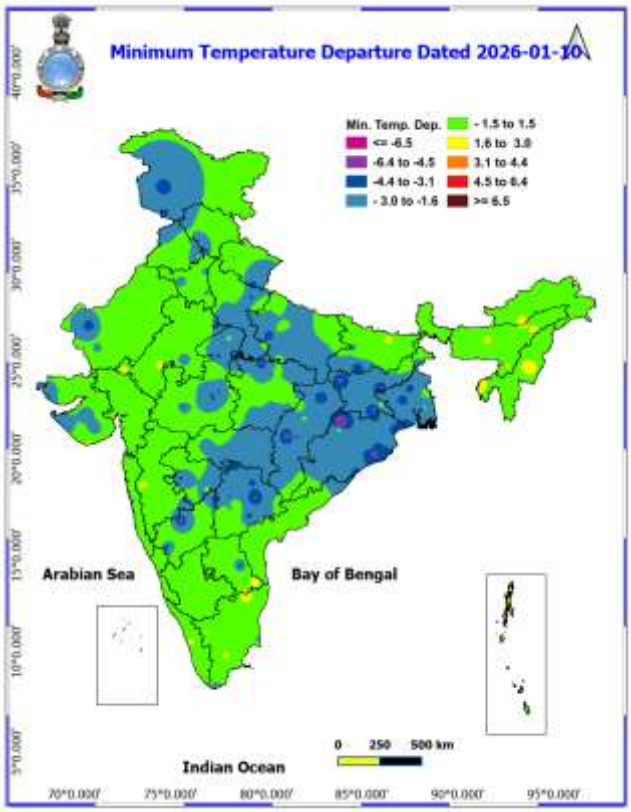

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 12 तारीख तक सुबह के समय कुछ इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 17 जनवरी 2026 तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ राजस्थान के कुछ हिस्सों में 11 जनवरी तक सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 13 जनवरी 2026 तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ जम्मू डिवीजन में 12 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 15 तारीख तक; उत्तर प्रदेश और बिहार में 17 तारीख तक; दिल्ली और उत्तरी मध्य प्रदेश में 11 तारीख तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 तारीख तक; असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 तारीख और 14 और 15 जनवरी को सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 12 और 13 तारीख को राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 11 से 14 तारीख के दौरान राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, ओडिशा में 11 और 12 तारीख को; उत्तराखंड, झारखंड और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 11 जनवरी को शीतलहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 10 तारीख को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में; 10 और 11 तारीख को राजस्थान में; 10 से 14 जनवरी के दौरान बिहार में ऐसी स्थिति रहने की संभावना है।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **तमिलनाडु में,** भारी बारिश शुरू होने से पहले पके हुए धान, मक्का, काला चना, लौंग और काली मिर्च की कटाई को प्राथमिकता दें; कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर रखें। खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें। टमाटर, मिर्च, बेल वाली सब्जियों और लता वाली सब्जियों को सहारा दें। सब्जियों के खेतों में सहारे और पंडालों को मज़बूत करें।

शीत लहर/ सतह पाला / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड और बिहार में,** खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

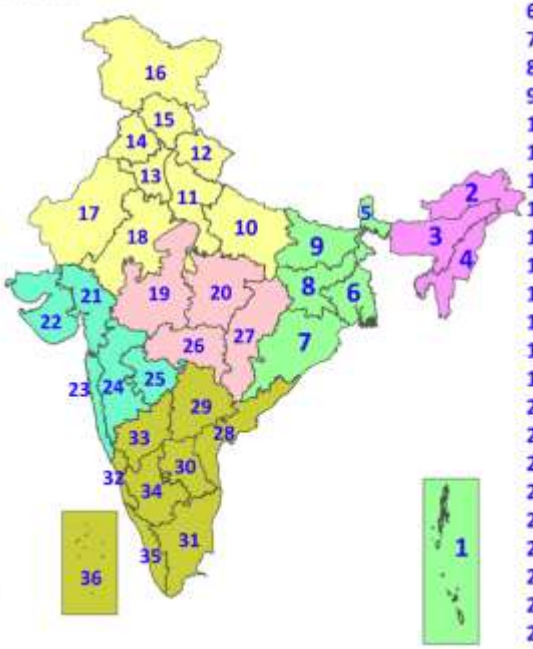

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)